हिंदी

बालभारती

तीसरी कक्षा

भारत का संविधान

भाग 4 क

मूल कर्तव्य

अनुच्छेद 51 क

मूल कर्तव्य– भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्र ध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;

(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करें;

(ग) भारत की प्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखें;

(घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;

(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभावों से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध है;

(च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्व समझे और उसका परिरक्षण करे;

(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;

(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करें;

(झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे;

(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू ले;

(ट) यदि माता-पिता या संरक्षक है, छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बालक या प्रतिपाल्य के लिए शिक्षा के अवसर प्रदान करे ।

शिक्षा विभाग का स्वीकृति क्रमांक : प्राशिसं/२०१४-१५/५२७२/मंजूरी/ड-५०५/२२००, दि. १/४/२०१४

आपके स्मार्टफोन में 'DIKSHA App' द्‌वारा, पुस्तक के प्रथम पृष्ठ पर Q.R. Code के माध्यम से डिजिटल पाठ्‌यपुस्तक एवं प्रत्येक पाठ में अंतर्निहित Q.R. Code में अध्ययन अध्यापन के लिए पाठ से संबंधित उपयुक्त दृक-श्राव्य सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी।

हिंदी
बालभारती
तीसरी कक्षा

मेरा नाम ---------- है।

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे

प्रथमावृत्ति : २०१४
सातवाँ पुनर्मुद्रण : २०२१

© महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे – ४११००४

इस पुस्तक का सर्वाधिकार महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ के अधीन सुरक्षित है । इस पुस्तक का कोई भी भाग महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ के संचालक की लिखित अनुमति के बिना प्रकाशित नहीं किया जा सकता ।

हिंदी भाषा समिति

डॉ. चंद्रदेव कवडे, अध्यक्ष
डॉ. हेमचंद्र वैद्‌य, सदस्य
डॉ. साधना शाह, सदस्य
प्रा. मुल्ला मैनोद्‌दीन, सदस्य
श्री रामहित यादव, सदस्य
श्री कौशल पांडेय, सदस्य
श्री रामनयन दुबे, सदस्य
डॉ. अलका पोतदार, सदस्य-सचिव

हिंदी भाषा कार्यगट

डॉ. रामजी तिवारी
डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे
श्री संजय भारद्‌वाज
प्रा. अनुया दळवी
डॉ. सरजूप्रसाद मिश्र
डॉ. दयानंद तिवारी
श्री अनुराग त्रिपाठी
श्री राजेंद्रप्रसाद तिवारी
श्री उमाकांत त्रिपाठी
प्रा. निशा बाहेकर
डॉ. संतोषकुमार यशवंतकर
डॉ. आशा मिश्रा
श्रीमती मंगला पवार
श्री नरसिंह तिवारी

प्रकाशक

विवेक उत्तम गोसावी
नियंत्रक, पाठ्यपुस्तक निर्मिती मंडळ, प्रभादेवी,
मुंबई – ४०००२५

संयोजन

डॉ. सौ. अलका पोतदार, विशेषाधिकारी, हिंदी भाषा, पाठ्यपुस्तक मंडळ, पुणे
सौ. संध्या विनय उपासनी, विषय सहायक, हिंदी भाषा, पाठ्यपुस्तक मंडळ, पुणे

मुखपृष्ठ : सुहास जगताप
चित्रांकन : लीना माणकीकर, राजेश लवळेकर, आत्मजा बोधनी

निर्मिति :
श्री सच्चितानंद आफळे, मुख्य निर्मिति अधिकारी
श्री सचिन मेहता, निर्मिति अधिकारी
श्री नितीन वाणी, सहायक निर्मिति अधिकारी

अक्षरांकन : भाषा विभाग, पाठ्यपुस्तक मंडळ, पुणे
कागज : ७० जीएसएम क्रीमवोव
मुद्रणादेश : N/PB/2021-22/15,000
मुद्रक : M/S. RAJMUDRA PRAKASHAN (P) LTD., AURANGABAD

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक **संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य** बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक **न्याय,**

विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की **स्वतंत्रता,**

प्रतिष्ठा और अवसर की **समता**

प्राप्त कराने के लिए,

तथा उन सब में

व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली **बंधुता**

बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर **अपनी इस संविधान सभा में** आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) **को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं ।**

राष्ट्रगीत

जनगणमन - अधिनायक जय हे
भारत - भाग्यविधाता ।
पंजाब, सिंधु, गुजरात, मराठा,
द्राविड, उत्कल, बंग,
विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा,
उच्छल जलधितरंग,
तव शुभ नामे जागे, तव शुभ आशिस मागे,
गाहे तव जयगाथा,
जनगण मंगलदायक जय हे,
भारत - भाग्यविधाता ।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय, जय हे ।।

प्रतिज्ञा

भारत मेरा देश है । सभी भारतीय मेरे भाई-बहन हैं ।

मुझे अपने देश से प्यार है । अपने देश की समृद्ध तथा विविधताओं से विभूषित परंपराओं पर मुझे गर्व है ।

मैं हमेशा प्रयत्न करूँगा/करूँगी कि उन परंपराओं का सफल अनुयायी बनने की क्षमता मुझे प्राप्त हो ।

मैं अपने माता-पिता, गुरुजनों और बड़ों का सम्मान करूँगा/करूँगी और हर एक से सौजन्यपूर्ण व्यवहार करूँगा/करूँगी ।

मैं प्रतिज्ञा करता/करती हूँ कि मैं अपने देश और अपने देशवासियों के प्रति निष्ठा रखूँगा/रखूँगी । उनकी भलाई और समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है ।

प्रस्तावना

'बच्चों का निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षाधिकार अधिनियम २००९' और 'राष्ट्रीय पाठ्यक्रम प्रारूप -२००५' को दृष्टिगत रखते हुए राज्य की 'प्राथमिक शिक्षा पाठ्यचर्या-२०१२' तैयार की गई । पाठ्यपुस्तक मंडळ शैक्षणिक वर्ष २०१३-१४ से शासनमान्य पाठ्यचर्या पर आधारित हिंदी की पहली से आठवीं कक्षा तक हिंदी बालभारती की नवीन शृंखला क्रमशः प्रकाशित कर रहा है । इस शृंखला में तीसरी कक्षा की यह पुस्तक आपके हाथों में सौंपते हुए हमें विशेष हर्ष हो रहा है ।

आकलन, निरीक्षण, भाषण-संभाषण के रूप में बच्चों की भाषाशिक्षा का अनौपचारिक शुभारंभ उनके परिसर और प्रसार माध्यमों द्‌वारा होता है । पाठशाला में आने के उपरांत उनकी औपचारिक शिक्षा का प्रारंभ होता है । तीसरी कक्षा के विद्‌यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया सहज-सरल बनाने के लिए पाठ्यपुस्तक का आकार बड़ा और स्वरूप चित्रमय बनाया गया है । पुस्तक की संरचना करते समय इस बात पर विशेष ध्यान रखा गया है कि यह पुस्तक चित्ताकर्षक, चित्रमय, कृतिप्रधान और बालस्नेही हो ।

विद्‌यार्थियों की आयु, स्वाभाविक अभिरुचि को ध्यान में रखते हुए उनकी भाषाशिक्षा मनोरंजक एवं आनंददायी बनाने के लिए पाठ्यपुस्तक में सहज गुनगुनाने योग्य गीतों, कविताओं का समावेश किया गया है । इसी प्रकार हास्य, चित्रकथा, चित्रवाचन और रंगीन चित्रों का सजगता से उपयोग किया गया है । पाठ्यपुस्तक में विषयों को खेल, कृति के रूप में समाविष्ट किया गया है । इन घटकों का अध्ययन-अध्यापन करते हुए शिक्षक इस तरह के अध्ययन-अनुभव को समाहित करें जिससे शालाबाह्य जगत एवं दैनिक व्यवहार में सामंजस्य स्थापित हो सके ।

शिक्षक एवं अभिभावकों के मार्गदर्शन के लिए 'दो शब्द' में पाठ्यपुस्तक की संरचना की पार्श्वभूमि पर विस्तृत चर्चा करते हुए पाठों के संदर्भ में आवश्यक सूचनाएँ प्रत्येक पृष्ठ पर दी गई हैं । अध्ययन-अध्यापन की प्रकिया में ये सूचनाएँ निश्चित ही उपयोगी होंगी ।

हिंदी भाषा समिति, कार्यगट और चित्रकारों के निष्ठापूर्ण परिश्रम से यह पुस्तक तैयार की गई है । पुस्तक को दोषरहित एवं स्तरीय बनाने के लिए राज्य के विविध भागों से आमंत्रित प्राथमिक शिक्षकों, विषयतज्ञों द्‌वारा पुस्तक का समीक्षण कराया गया है । समीक्षकों की सूचना और अभिप्रायों को दृष्टि में रखकर हिंदी भाषा समिति ने पुस्तक को अंतिम रूप दिया है ।

'मंडळ' हिंदी भाषा समिति, कार्यगट, समीक्षकों, विशेषज्ञों, चित्रकारों के प्रति हृदय से आभारी है । आशा है कि विद्‌यार्थी, शिक्षक, अभिभावक सभी इस पुस्तक का स्वागत करेंगे ।

(चं. रा. बोरकर)
संचालक
महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व
अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ पुणे-०४

पुणे
दिनांक :- ३१ मार्च २०१४
गुढीपाडवा, शके १९३६

हिंदी अध्ययन निष्पत्ति : तीसरी कक्षा

अध्ययन के लिए सुझाई हुई शैक्षणिक प्रक्रिया	अध्ययन निष्पत्ति
सभी विद्यार्थियों (भिन्न रूप से सक्षम विद्यार्थियों सहित) को व्यक्तिगत, सामूहिक रूप से कार्य करने के अवसर और प्रोत्साहन दिया जाएँ, ताकि उन्हें – • अपनी भाषा में अपनी बात कहने, बातचीत करने की भरपूर स्वतंत्रता और अवसर हों । • हिंदी में सुनी गई बात, कविता, कहानी आदि को अपने तरीके और अपनी भाषा में कहने–सुनाने/प्रश्न पूछने एवं अपनी बात जोड़ने के अवसर उपलब्ध हों । • विद्‌यार्थियों द्‌वारा अपनी भाषा में कही गई बातों को हिंदी भाषा और अन्य भाषाओं (जो भाषाएँ कक्षा में मौजूद हैं या जिन भाषाओं के विद्‌यार्थी कक्षा में हैं) में दोहराने के अवसर उपलब्ध हों । इससे भाषाओं को कक्षा में समुचित स्थान मिल सकेगा और उनके शब्द–भंडार, अभिव्यक्तियों का भी विकास करने के अवसर मिल सकेंगे । • 'पढ़ने का कोना'/पुस्तकालय में स्तरानुसार विभिन्न प्रकार की रोचक सामग्री जैसे – बाल साहित्य, बाल पत्रिकाएँ, पोस्टर, ऑडियो–वीडियो सामग्री उपलब्ध हों । • तरह–तरह की कहानियों, कविताओं, पोस्टर आदि को चित्रों और संदर्भ के आधार पर समझने–समझाने के अवसर उपलब्ध हों । • विभिन्न उद्‌देश्यों को ध्यान में रखते हुए पढ़ने के विभिन्न आयामों को कक्षा में उचित स्थान देने के अवसर उपलब्ध हों जैसे – किसी कहानी में किसी जानकारी को खोजना, किसी जानकारी को निकाल पाना, अपनी राय दे पाना आदि । • सुनी, देखी बातों को अपने तरीके से, अपनी भाषा में लिखने के अवसर हों । • अपनी भाषा गढ़ने (नए शब्द/वाक्य/अभिव्यक्तियाँ बनाने) और उनका प्रयोग करने के अवसर हों । • संदर्भ और उद्‌देश्य के अनुसार उपयुक्त शब्दों और वाक्यों का चयन करने, उनकी संरचना करने के अवसर उपलब्ध हों । • अपना परिवार, पाठशाला, मोहल्ला, खेल का मैदान, गाँव की चौपाल जैसे विषयों पर अथवा स्वयं विषय का चुनाव कर अनुभवों को लिखकर एक–दूसरे से बाँटने के अवसर हों । • एक–दूसरे की लिखी हुई रचनाओं को सुनने, पढ़ने और उन पर अपनी राय देने, उनमें अपनी बात को जोड़ने, बढ़ाने और अलग–अलग ढंग से लिखने के अवसर हों ।	**विद्‌यार्थी –** 03.02.01 कही जा रही बात, कहानी, कविता आदि को ध्यान से समझते हुए सुनते हैं । 03.02.02 कहानी, कविता आदि को उपयुक्त उतार–चढ़ाव, गति, प्रवाह और सही भाव के साथ सुनाते हैं । 03.02.03 सुनी हुई रचनाओं की विषय–वस्तु, घटनाओं, पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं, प्रश्न पूछते हैं, मत बताते हैं / अपने तरीके से (कहानी, कविता आदि) अपनी भाषा में व्यक्त करते हैं । 03.02.04 आसपास होने वाली गतिविधियों / घटनाओं और विभिन्न स्थितियों में हुए अपने अनुभवों के बारे में बताते, बातचीत करते और प्रश्न पूछते हैं । 03.02.05 कहानी, कविता अथवा अन्य सामग्री को समझते हुए उसमें अपनी कहानी / बात जोड़ते हैं । 03.02.06 अलग–अलग तरह की रचनाओं / सामग्री (समाचार पत्र, बाल पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझकर पढ़ने के बाद उसपर आधारित प्रश्न पूछते हैं / अपनी राय देते हैं शिक्षक एवं अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करते हैं, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर (मौखिक, सांकेतिक) देते हैं । 03.02.07 तरह–तरह की कहानियों, कविताओं रचनाओं की भाषा की बारीकियों (जैसे – शब्दों की पुनरावृत्ति, विभिन्न विरामचिह्नों का प्रयोग आदि) की पहचान और प्रयोग करते हैं । 03.02.08 स्वेच्छा से या शिक्षक द्‌वारा तय गतिविधि के अंतर्गत वर्तनी के प्रति सचेत होते हुए स्व–नियंत्रित लेखन (कनवैंशनल राइटिंग) करते हैं । 03.02.09 चित्रों का समग्र वाचन करते हुए अपने शब्दों में वर्णन करते हैं । 03.02.10 चित्रों को देखकर शब्दों का उच्चारण से वचनों का बोध करते हैं । 03.02.11 विभिन्न उद्‌देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में विरामचिह्नों जैसे – पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक चिह्न का सचेत प्रयोग करते हैं । 03.02.012 अलग–अलग तरह की रचनाओं / सामग्री (समाचार पत्र, बाल पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझकर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर (लिखित / रूप आदि में) देते हैं । 03.02.13 चित्रों का सूक्ष्म निरीक्षण करते हैं तथा दो चित्रों में अंतर बताते हैं । 03.02.14 ध्वन्यात्मक शब्दों को सुनकर तथा उनसे संबंधित शब्द बताते हैं । जैसे - खनखनाहट - चूड़ियाँ । 03.02.15 वर्ण पहेलियाँ हल करते हैं ।

✽ अनुक्रमणिका ✽

क्र.	पाठ का नाम	पृष्ठ क्र.
	पहली इकाई	
✽	खेत-खलिहान	१
१.	खेल	२,३
२.	नानी जी का गाँव	४
३.	गौरैया : मेरी सहेली	६
४.	मुंबई-छोटा भारत	८
५.	मुझे पहचानो	१०
६.	बोध	१२
७.	महाराष्ट्र की बेटी	१४
८.	नाव	१५
९.	मैं तितली हूँ	१६
१०.	सप्ताह का अंतिम दिन	१८
✽	पुनरावर्तन	२०
	दूसरी इकाई	
१.	किला और गढ़	२२, २३
२.	अगर	२४
३.	जादू	२६
४.	धरती की सब संतान	२८
५.	तिल्लीसिं	३०
६.	बोलते शब्द	३२
७.	मेरे अपने	३४
८.	व्यायाम	३५
९.	बीज	३६
१०.	मीठे बोल	३८
✽	पुनरावर्तन	४०

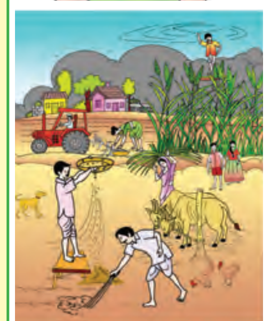

क्र.	पाठ का नाम	पृष्ठ क्र.
	तीसरी इकाई	
१.	रेल स्थानक	४२, ४३
२.	सही समय पर	४४
३.	बच्चे को दूध मिला	४६
४.	संदर्भ सामग्री कोना	४८
५.	अपनी प्रकृति	५०
६.	अहंकार	५२
७.	पहेली बूझो	५४
८.	एकता	५५
९.	पिता का पत्र, पुत्री के नाम	५६
१०.	आओ कुछ सीखें	५८
	* पुनरावर्तन	६०
	चौथी इकाई	
१.	डाकघर और बैंक	६२, ६३
२.	ध्वज फहराएँगे	६४
३.	परिश्रम का फल	६६
४.	बालिका दिवस	६८
५.	पर्यटन	७०
६.	जोकर	७२
७.	क्या तुम जानते हो ?	७४
८.	पर्यावरण बचाओ	७५
९.	चाचा चौधरी	७६
१०.	कब-बुलबुल	७८
	* पुनरावर्तन	८०,८१
	* पहेली	८२
	* शब्दार्थ	८३,८४
	* स्वाध्याय के उत्तर	८५